

# The Gazette of India

### असाधारण EXTRAORDINARY

NW II— 478 3—34-478 (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

## ultuat e unden PUBLISHED BY AUTHORITY

**4**. 142] No. 142] नई विल्ली, सोमवार, मार्च 30, 1992/चैत्र 10, 1914

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 30, 1992/CHAITRA 10, 1914

इस भाग में भिला पूज संख्या की चाती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में रचा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

ग्रधिसृचना,

नई विल्ली, 30 मार्च, 1992

सं. 155-सीमाश्रुक / 92

सा.का.नि. 374(म्र):--केन्द्रीय सरकार, सीमामुल्क मधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रवस मिन्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना भावव्यक हैं, यह निवेश देती है हैं कि इससे उपार्थय भनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रत्येक भिक्त्यना उनत सारणी के स्तंभ (3) में की तस्त्यानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति में, यथास्थिति, संभोधित या और संसोधित की जायेगी।

#### सारणी

ऋम सं.	ग्रधिसूचना की सं. भीर तारीख	संगोधित
(1)	(2)	(3)
(ii) : (iii) : (iv) :	196-सीमासुल्क/87 सारीख 5 मई, 1987 256-सीमासुल्क/87-सारीख 2 जुलाई, 1987 258सीमासुल्क/87-सारीख 2 जुलाई, 1987 260-सीमासुल्क/87-तारीख 2 जुलाई, 1987 162-सीमासुल्क/87-तारीख 2 जुलाई, 1987	शर्त (xii) के स्थान पर, निम्निलिखित रखा आयेगा, ग्रर्थात् :  "(xii) सहायक सीमाशुस्क कलवटर, ऐसी शर्तों के जो वह विनिर्दिष्ट करें, पूरा होंने के ब्रधीन रहते हुए, उक्त सारणी के स्तंभ (1) में की ततस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट वर्णेन के आभूवर्णों के विनिर्माण के दौरान नीचे दी गई सारणी के स्तूभ (2) में विनिर्दिष्ट सोने के प्रतिशत की हानि प्रमुजात कर सकेगा।
7.0		

	सारणी
द्याभूषणों का वर्णम	सोने के छोजन का प्रतिशत
(1)	(2)
	कसादा सोने के भाभूषणों की किना जड़ी भार के प्राधार पर श्राभूषण हुई वस्तुएं जिनका (सोने की भ्रंसर्वस्तु में सोने की अन्तर्वस्तु क षन छीजन पर) 15% या उससे 2%। . भ्रधिक का न्यूनतम मूल्य परिवर्धन है। खजड़ाऊ सोने के भाभूषण भौर वस्तुएं
	जिनका (सोने की घंतर्वस्तु घन छोजन पर) मूल्य-परिवर्धन निम्न प्रकार है :−−
	(i) 25% तक मृहय परिवर्धन 3% तक (ii) 25% ने प्रश्निक सीर 40% 5% तक तक मृ≂य परिवर्धन
	(iii) 40 $%$ से प्रधिक भीर 50 $%$ $7%$ तक नक मूल्य परिवर्धन
	(iv) 50 % में ऊपर मृत्य परिवर्धन 10 % सक (ग)—मढ़ना भीर परिष्करण भार के ग्राक्षार पर सीने को ग्रंतर्वस्तृ का 3 %"
(1) (2)	(3)
	में की तरस्थानो प्रविष्टि में विनिधिष्ट वर्णन के आभूषणों विनिर्माण के दौरान नीचे दी गई सारणी के स्तंभ (2 में विनिधिष्ट सोने के प्रतिशत को ह्यानि अनुकात कर लकेगा। गारणी
	श्राभूषणों का वर्णन सोते के छीजन का प्रतिणत
	(1) (2)
	क∸−सादा मोने के द्याभूषणों की बिना जड़ी भार के द्याधार पर शाभूषण हुई वस्तुएं जिनका (सोने की प्रंतर्वस्तु में मोने की प्रंतर्वस्तु व घन छोजन पर) 15% या उससे 2% . श्रधिक का न्यूनकम मूल्य परिवर्धन
	है। ख-जड़ाऊ सोने की भ्राभूषण भौर वस्तुएं जिनका (सोने की भ्रातबस्तु घन छोजन पर) मृल्य-परिवर्धन निम्न प्रकार है: (i) 25% तक मृल्य परिवर्धन 3% तक (ii) 25% से भ्राधिक भीर 40% तक, 5% तक
	मूल्य परिवर्धन (iii) 40% संग्रिकिक ग्रीर 50% तक 7% तक
	मूल्य परिवर्धन (iv) 50% में ऊर्र मूल्य परिवर्धन 10% तक ग-मड़ना ग्रीर परिष्कारण भार के ग्राधार पर सीने की ग्रंतर्वस्तु का 3%"

1 1

[फा.सं. 305/15/89-एफ.दी.टी.] एल. जयशेखर, प्रवर संचिव

5000

#### MINISTRY OF FINANCE

#### (Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Dolhi, the 30th March, 1992

No.155-Customs/92

G.S.R. 374 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column (2) of the Table hereto annexed, shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

#### TABLE

S.No.	Notification Noand date	Amendment	
(1)	(2)	(3)	
(ii) (iii) (iv)	196-Customs/87 dated the 5th May, 1987 256-Customs/87 dated the 2nd July, 1987 258-Customs/87 dated the 2nd July, 1987 260-Customs/87 dated the 2nd July, 1987. 262-Customs/87 dated the 2nd July,	For the condition (xii), the following shall be substituted, namely:  "(xii) the Assistant Collector of Customs may allow, subject to fulfilment of such conditions as he may specify, the loss of percentage of gold specified in column (2) of the Table given below during the manufacture of jewellery of the description specified in the corresponding entry in column (1) of the said table.  TABLE	
,	1987	Description of jewellery	Percentage of gold wastages
		(1)	(2)
		A. Plain gold jewellery articles unstud- ded with minimum value addition of 15% or more (on gold content plus wastage)	2 % of gold content in jewellery by weight.
		B. Studded gold jewellery and articles with value addition (on gold content, wastage) as follows:—	
		(i) value addition upto 25%	upto 3%
		(ii) value addition above 25 % and upto 40 %	upto 5%
		(iii) value addition above 40 % and upto 50 %	upto 7%
		(iv) value addition over 50 %	upto 10%
		C. Mountings and findings	3% of gold content by weight"

THE GAZETTE OF INDIA: LIXTRAORDINARY (1) (2)(3) For the condition (xiv), the following shall be substituted, 2. 3-Customs/88 dated the 14th January, 1988 namely:-"(xiv) the Assistant Collector of Customs may allow, subject to fulfilment of such conditions as he may specify, the loss of percentage of gold specified, in column (2) of the Table given below during the manufacture of jewellery of description specified in the corresponding entry in column (1) of the said Table. **TABLE** 

Description of jewellery	Percentage of gold wastages	
(1)	(2)	
A. Plain gold jewellery articles unstud-	2% of gold content in	

ded with minimum value addition of 15% or more (on gold content plus wastage)

jeweuery\_by weight

B. Studded gold jewellery and articles with value addition (on gold content plus wastage as follows :--

(i) value addition upto 25 %

upto 3%

(ii) value addition above 25% and upto 40%

upto 5%

(iii) value addition above 40 % and upto 50 %

upto 7%

(iv) value addition over 50 %

upto 10%

C. Mountings and findings

3% of gold content by weight".

[F. No. 305/15/89-FTT]

L. JAYASEKAR, Under Secv.